

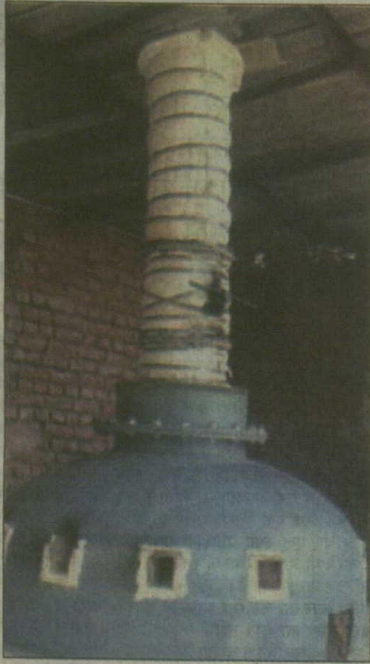
## Newspaper Clips

### May 17, 2016

Panjab Kesari ND 17/05/2016 (Youth Today) p-1

# आईआईटी छात्रों की मशीन बनाएगी

## बिना जोड़ की चूड़ियां



चूड़ी बनाने वाले सैंकड़ों कारीगरों के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) दिल्ली के रुरल टेक्नोलॉजी एक्शन ग्रुप के छात्रों ने एक ऐसी मशीन का अविष्कार किया है। जो उन्हें बेवजह धुएँ, गर्मी से निजात दिलाएगी। यह मशीन उन कारीगरों के लिए चरदान की तरह है जो बिना जोड़ की चूड़ियों को बनाने में मशकत करते हैं। हाल ही में आईआईटी दिल्ली में आयोजित इनोवेटिव प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन किया, जिनका सीधे तौर पर सोसायटी से संबंध था।

ज्वाइंटलेस बैंगल्स मशीन से कारीगरों का काम आसान हो जाएगा। आईआईटी दिल्ली के मैकेनिकल दूसरे साल के छात्र शैलेन्द्र बताते हैं कि यह मशीन राजस्थान, फिरोजाबाद आदि जगहों पर लोगों द्वारा चूड़ी बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मशीन का ही विकसित रूप है। वहीं जिस मशीन को कारीगर अभी इस्तेमाल करते हैं, वो बहुत ही खतरनाक मशीन है।

### तयों खास है यह मशीन

इस बारे में बात करते हुए शैलेन्द्र ने बताया कि जिस मशीन को अभी कारीगर इस्तेमाल कर रहे हैं, इसे गर्म करने में 50 किलो से ज्यादा ईंधन और गर्म होने के बाद प्रति घंटे 100 किलो ईंधन खर्च होता है।



वहीं इस मशीन को गर्म करने के लिए 15 किलो ईंधन चाहिए। जिसके गर्म होने के बाद 35 किलो प्रति घंटे का ईंधन खर्च होता है। इससे सिर्फ ईंधन ही नहीं समय की भी बचत होती है। जो उनकी मशीन है उसको गर्म होने में एक घंटा लगता था, वहीं ये मशीन 15 मिनट में गर्म हो जाएगी। इससे कारीगरों को काफी फायदा होगा।

आईआईटी दिल्ली के रुरल टेक्नोलॉजी एक्शन ग्रुप से जुड़े मंगत शर्मा मशीन के बारे में बताते हैं कि

जो मशीन अभी कारीगर इस्तेमाल कर रहे हैं, उसमें आग लगाते ही आसपास का तापमान इतना बढ़ा जाता है कि बैठकर वहां काम करना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए चूड़ी बनाने के ज्यादा काम ठंड के मौसम में ही होते हैं।

लेकिन इस मशीन से कारीगर बिल्कुल करीब बैठकर चूड़ियां बना सकते हैं। इसके लिए हमने सिरेमिक बोर्ड, एलुमिनियम, हाई टेम्परेचर रजिस्टेंट रॉड आदि लगाकर मशीन का ऐसे निर्माण किया है। ताकि कारीगरों को कोई परेशानी नहीं हो। कारीगर अपने यहां एक मजदूर ईंधन डालने के लिए रखते हैं। अब एक घंटे में उसे 50 किलो ईंधन डालना हो तो उसके लिए काम कितना मुश्किल होगा। हमारे मशीन में सिर्फ 35 किलो ईंधन प्रति घंटा खर्च होगा तो ईंधन डालने वाले मजदूर को भी फायदा होगा।

### इसकी कीमत कर देगी

### आपको हैरान

कीमत के बारे में बात करते हुए मंगत शर्मा ने कहा कि अभी हाल ही में हमने कुछ कारीगरों को बुलाकर इसका ट्रायल किया है। ट्रायल के बाद कारीगर बहुत खुश लगे। फिलहाल मशीन की कीमत 50 हजार रूपए तक रखी गई है।

-गणेश पाठक

Hindu ND 17/05/2016 P-20

## IIT student wins top materials science award

**KOLKATA:** A doctoral researcher at IIT-Kharagpur has bagged the European Materials Research Society's (E-MRS's) Young Scientist Award for contribution to materials science, the institute said on Monday.

Nandini Bhandaru won the award based on her outstanding contribution to materials science and nanotechnology, particularly nano-patterning of soft films and surfaces. Ms. Bhandaru works at the Instability and Soft Patterning Laboratory of the institute IIT-Kharagpur. Her area of research is nano-fabrication, including soft-lithography, thin film dewetting, polymer blend films and self-assembly, the statement said.

Nano-fabrication and na-

Nandini Bhandaru of IIT-Kharagpur wins honour for her contribution in nano-patterning

no-patterning entail developing methods to manufacture nano-materials, or pattern materials on a nanometre scale. Nano-lithography is a common method used in nano-patterning.

Topographically patterned polymer films and surfaces find wide application in organic electronics, organic light-emitting diodes, opto-electronic devices, thin-film transistors, plastic solar cells, biological sensors microfluidics etc. — IANS

## IITs could get 500 more seats this academic year

<http://timesofindia.indiatimes.com/city/mumbai/IITs-could-get-500-more-seats-this-academic-year/articleshow/52299335.cms>

MUMBAI: If all goes as planned, candidates could look forward to 450-500 more IIT seats this academic session. With the addition of four new IITs this year, total seats would rise to 10,500 from the previous year's 10,006.

The ministry of human resources and development (MHRD) has already released a notification asking the IITs to include the four new institutions in Jammu, Goa, Karnataka and Chhattisgarh in this year's admission process. Considering that 1.6 lakh students registered for JEE (Advanced) on May 22, around 14 students will be vying for each seat in the premier institutes this year.

### GOOD NEWS FOR ASPIRANTS

#### NEW ADDITIONS

IIT-Goa, IIT-Dharwad (Karnataka), IIT-Chhattisgarh and IIT-Jammu  
Each of the new IITs will have either 100 or 120 seats



Total  
**10,006**

#### CURRENT SEATS

IIT-BHUBANESHWAR	180
IIT-BOMBAY	903
IIT-MANDI	145
IIT-DELHI	851
IIT-INDORE	120
IIT-KHARAGPUR	1,341
IIT-HYDERABA	220
IIT-JODHPUR	120
IIT-KANPUR	853
IIT-MADRAS	838
IIT-GANDHINAGAR	150
IIT-PATNA	200
IIT-ROORKEE	1030
ISM-DHANBAD	935
IIT-ROPAR	130
IIT-BHU VARANASI	1,090
IIT-GUWAHATI	660
IIT-PALAKKAD	120
IIT-TIRUPATI	120

JEE  
Advanced  
schedule



Exam:  
May 22



Results:  
June 12



Seats allotment:  
June 22 (tentative)

TOI FOR MORE INFOGRAPHICS DOWNLOAD TIMES OF INDIA APP



The IITs in Dharwad, Karnataka, and Goa will be mentored by IIT-Bombay. The premier Powai institute will run the two institutes at least in the first year and simultaneously recruit faculty as part of the mentoring. IIT-B director Devang Khakhar said both institutes are gearing up to commence sessions from this academic year of 2016-17.

Each of these two IITs will have a total of 120 seats, with 40 each in computer science, electrical and mechanical engineering branches. In the first year, professors from IIT-B will take classes, added Khakhar.

Similarly, IIT-Jammu will be mentored by IIT-Delhi and IIT-Chhattisgarh will be under the wings of IIT-Hyderabad. "Of the four new institutes, three were to start in 2015. Due to permissions from the respective state governments, requirement of land and so on, they postponed the commencement by a year. These three institutes should not have any problem in admitting students this year. Only IIT-Dharwad is completely new," said a JEE (Advanced) official.

The official added that the ministry of human resources and development has already given them a notification to go ahead with the admission process in these four new institutes.

"However, three institutes backed out from the process last year too. But these institutes got almost a year to set up infrastructure. There are minor chances of institutes backing out this year. There could be variations in the intake capacity of existing IITs, too. The final list will be compiled by the month-end," added the official.

Although they are new, IIT-Tirupati and IIT-Palakkad, which commenced sessions last year, managed to fill most of the seats.

In fact, more than 80% of the seats at Tirupati and Palakkad were filled in the first round itself during last year's admissions.

**Dainik Bhaskar ND 17/05/2016**

P-9

## शीर्ष संस्थानों में तकनीकी सुविधाएं बढ़ाने के लिए 500 करोड़ खर्च करेगी सरकार

देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों जैसे आईआईटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में तकनीकी सुविधाएं बढ़ाने के लिए सरकार ने 500 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई है। इस रकम से इन संस्थानों में रिसर्च पार्क, स्टार्टअप सेंटर, इनक्यूबेटर आदि बनाए जाएंगे। हाल ही में इन संस्थानों ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय और डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से इस प्रकार की टेक फैसिलिटी विकसित करने के लिए प्रस्ताव दिया था। मंत्रालय के अधिकारियों की मानें तो एक रिसर्च पार्क बनाने में लगभग 100 करोड़ का खर्च आएगा, जब कि डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी स्टार्टअप सेंटर और टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर्स बनाने के लिए लगभग 100 करोड़ का निवेश करेगा। रिसर्च पार्क के लिए दिल्ली, कानपुर, हैदराबाद, गांधीनगर, गुवाहाटी के आइआईटी कैम्पस और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बैंगलोर को फंड जारी किया जा सकता है।

Dainik Bhaskar ND 17/05/2016 P-9

## जेईई एडवांस के लिए आईआईटी ने जारी किया ड्रेस कोड

सीबीएसई के नक्शे कदम पर चलते हुए अब आईआईटी ने भी एग्जाम में नकल रोकने के लिए जेईई एडवांस में शामिल होने वाले छात्रों के लिए ड्रेस कोड लागू किया है। इसमें पूरी बांह वाली शर्ट, कुर्ते, हील वाले फुटवियर और जूतों पर पाबंदी लगाई गई है। यह परीक्षा 22 मई को होनी है। पहले प्रतिबंधित चीजों में रिस्ट वॉच भी शामिल थी, लेकिन छात्रों और अभिभावकों की नाराजगी के बाद एनालॉग रिस्ट वॉच को प्रतिबंधित सामग्री की सूची से हटा लिया। किसी भी तरह की स्मार्ट या प्रोग्रामेबल वॉच को साथ में ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा के दौरान सभी कैंडिडेट का बायोमीट्रिक डेटा, जिसमें डिजिटल फोटो और फिंगरप्रिंट शामिल हैं, को कलेक्ट किया जाएगा।

## IIT-KGP ties up with Australian varsity for Dual PhD

<http://timesofindia.indiatimes.com/home/science/IISc-study-unearths-secrets-of-Gangotri/articleshow/52301608.cms>

KOLKATA: Indian Institute of Technology, Kharagpur (IIT-KGP) has signed a Memorandum Of Understanding (MoU) with Curtin University, Australia to offer Dual Doctoral Degree Program (DDDP).

As per the MOU, a doctoral student of IIT-Kharagpur may apply for the DDDP, and will be admitted if he is academically accepted by the Curtin University. In other words, a student has to satisfy the academic requirements of both IIT Kharagpur and Curtin University.

If admitted, the student will be required to stay for one year at Curtin University. His international travel will be supported by IIT-KGP and local expenses during the stay in Australia will be supported by Curtin University.

Doctoral students from Curtin University will also be eligible for a similar programme at IIT-KGP on a reciprocal basis.

Although the dual degree program includes all areas of work, the institute has decided to concentrate initially on three broad areas, particularly sustainability, future of cities, smart cities, engineering asset management, and mining, earth and energy.

IIT-KGP also organized a joint workshop with Curtin University on May 13. It provided a platform for interaction among the faculty of both institutes and provided a background to the potential students on the DDDP.

IIT-KGP has an existing MoU with University of Wollongong (UOW) - New South Wales, Australia for Dual Doctoral Programme. More MoUs, with other universities are expected to be signed this year.

### **Swanky makeover for IIT-Kharagpur hostel rooms**

<http://timesofindia.indiatimes.com/city/kolkata/Swanky-makeover-for-IIT-Kharagpur-hostel-rooms/articleshow/52303695.cms>



For new entrants to IIT-Kharagpur this academic year that starts in August, there's some great news.

The hostel rooms they will be allotted this time will no longer be of the whitewashed kind that just had a wooden table, an iron cot and a small rickety wooden almirah that you had to share with your roommate if you did not have a room to yourself.

Such basic rooms, that most students rued about, especially because this was their first experience of living outside home, are going in for a complete makeover to make them swanky .

The oldest and biggest IIT in the chain, perhaps, took a long time to usher in the change. But now that it has started, the institute is pulling out all stops. From highlighting walls to rolling in modular furniture and strategic lighting, replacing old floors with modern tiles, the rooms being designed are a delight to be in. Already 322 rooms in the old hostels have been re-done and renovations are on in 17 of the 21 hostels on the campus.

Chances are the authorities will allow air-conditioning of the renovated hostel rooms. This, too, was a longstanding demand. However, the matter is pending a decision in the governing body meeting that will happen soon. The fact that tuition fee has more than doubled -from Rs 45,000 to Rs 1,00,000 annually -might be an indication that air-conditioning

will finally be permitted.

"However, there will be some rationing on this and students can opt out of the facility as this might need an additional fee," said one of the deans of the institute.

For now, existing students are delighted with what has been done already - bright red, orange, green or yellow to highlight walls, glazed tiles on floors, geysers and latest fittings in bathrooms and a well-appointed common room with huge LED televisions, projectors and screens for special shows, home theatre systems etc.

There will be a separate room in every hall for those musically inclined to practise and rehearse. "We are thrilled. While it was always fun to bond with friends in hostels, we did miss home and the comforts we left behind. Now our hostels are going to be almost as good," said Sonal Priya, second-year student who is a boarder at Sarojini Naidu Hall.

Five outdoor games and courts for cricket (a pitch is being professionally created), football, volleyball, badminton and basketball are being attached to each hostel as part of the renovation while new spaces are being eked out for indoor games. "Games have always been a strong point of the institute for years. Though we did have facilities on campus, it was not enough to accommodate the huge population of players," said games enthusiast Hrishabh Yadav.

While the renovation will cost at least Rs 200 crore, the institute is trying to rope in alumni to help out. Vinod Gupta, who used to be a resident of RK Hall, and Vijay Khiawat, another alumnus who lived in Nehru Hall, are helping with renovation of their respective halls.

"Times have changed and we cannot remain behind. Gone are the days when people believed students should get used to austerity and avoid luxury. We are trying to bring in a modicum of comfort into hostels as we believe this will help improve performance," said IIT-Kgp director P P Chakraborty.

## **IIT-Bhilai gets 10-acre land at Naya Raipur**

<http://timesofindia.indiatimes.com/city/raipur/IIT-Bhilai-gets-10-acre-land-at-Naya-Raipur/articleshow/52304273.cms>

Raipur: State government has on Monday decided to provide 10 acres of land at Naya Raipur to the proposed Indian Institute of Technology (IIT) Bhilai for setting up an industry interaction centre and research park.

Briefing reporters after the meeting of the state cabinet, chief minister Raman Singh said it has been decided to allot land at village Banjari in Naya Raipur, the new state capital.

The land would be provided to IIT-Bhilai by state's skill development, technical education and employment department.

Chhattisgarh will soon open an IIT in Bhilai. An agreement, in this regard, has been signed with government by secretary of Chhattisgarh on January 13. The government has allotted 525 acres of land around Kutelabata for the new IIT campus. The new batch of IIT is expected to start from 2016 -17.

In the first round of admission in various branches, 180 seats are finalised, according to state's technical education department.

## Scientists crack pathway that makes brain tumour aggressive

<http://www.thehindu.com/news/cities/bangalore/scientists-crack-pathway-that-makes-brain-tumour-aggressive/article8608456.ece>

*IISc, NIMHANS finding on protein regulation published in the journal Neuro-Oncology.*

In just a few decades, medicine has made great strides in battling cancer. But the road to understanding the disease — that ‘emperor of maladies’ — has still not been mapped. Take, for instance, glioblastoma, one of the more common brain tumours. When it is most aggressive, it can reduce a patient’s life to a little over a year despite treatment.

While a cure is still a long way off, scientists at the Indian Institute of Science (IISc) and the National Institute of Mental Health and Neurosciences (Nimhans) have found the pathway that makes the tumour cells more aggressive.

The team’s study, published in a recent issue of the journal *Neuro-Oncology*, explains how IGFBP-2 (insulin-like growth factor binding protein 2), one of the proteins present in the extracellular fluids surrounding the cells, makes the tumour aggressive. While previous studies have shown that patients with more aggressive forms of glioblastoma had higher IGFBP-2 levels in their serum, the IISc-NIMHANS study reveals that the IGFBP-2 uses the protein beta-catenin as its pathway.

### Beta-catenin’s role

“IGFBP-2 makes the tumour aggressive by regulating the beta-catenin, which is shown to be very important for making tumour aggressive,” said Paturu Kondaiah, Professor, Department of Molecular Reproduction Development and Genetics, IISc, and the lead member of the study.

In glioblastoma cells with high levels of IGFBP-2 expression, nuclear beta-catenin levels were higher. In cells that made very little or no IGFBP-2, nuclear beta-catenin levels were low.

Unlike IGFBP-2, which is present outside the cell, beta-catenin can shuttle in and out of the nucleus of the cell. When present inside, it influences protein production.

The researchers found that higher IGFBP-2 levels led to inactivation of another protein — GSK3, which impairs the degradation of beta-catenin inside the cell. Hence, beta-catenin can easily travel to the nucleus and induce production of new proteins that instruct the tumour cells to proliferate faster than normal, and start invading other tissues, an IISc release explained.

The researchers are now working on further delineation of the pathway and other players involved in IGFBP-2-mediated tumour promotion. But inhibiting IGFBP-2 could be a good therapeutic strategy, Prof. Kondiah said.

## IISc study unearths secrets of Gangotri

<http://timesofindia.indiatimes.com/home/science/IISc-study-unearths-secrets-of-Gangotri/articleshow/52301608.cms>

Bengaluru: Scientists have found it difficult to conduct proper field studies of Gangotri glacier, source of the Ganges, all these years, mainly because of its sheer size and inaccessibility. But not any more. Using satellite imagery, the Indian Institute of Science (IISc), Bengaluru, has tracked even tiny movements of glaciers from space.

The study conducted by SP Satyabala, visiting scientist at the Divecha Centre for Climate Change at IISc, used

sophisticated remote-sensing data to measure the surface velocity across the 30km-long and 4km-wide Gangotri glacier, over 20 years.

The study has shed light on the complex inner workings of the glacier. "We found the glacier has seasonal variations in its flow, moving steadily in winter and speeding up over summer as the ice melts. However, there are long-term trends as well. While the winter velocity was steady during the entire period of the study, the summer velocity peaked in 2004 and declined steadily from there until 2011," he added.

"Although melting glaciers are iconic symbols of climate change, those in the mountains such as Gangotri cannot be perceived as simple blocks of ice," said Satyabala. "Their internal dynamics are complex and poorly understood, making their response to climate change hard to predict. Satellite data allows us to take a peek inside glaciers not by going close to them, but by looking at them from far."

**Times of India ND 17/05/2016 P-9**

# IIM bill finally makes its way to Cabinet

## PMO Gives In On The Issue Of Autonomy

TIMES NEWS NETWORK

**New Delhi:** After much wrangling between the HRD ministry and the PMO, the IIM bill has finally reached the Cabinet for approval. It will be tabled in the monsoon session of Parliament and is likely to go to either a select or standing committee.

According to sources, the ministry had its way on two of the four contentious issues. On the issue of autonomy, the ministry wanted the President to be the visitor of IIMs with power to review their functioning, just as it is in the case of IITs. However, the PMO felt that the board of governors should have that power. But the ministry argued that a similar provision in case of IITs has



The bill will be tabled in the monsoon session of Parliament

worked well. Eventually, the ministry was able to convince the PMO.

The second issue was about making the HRD minister the ex-officio head of the committee of IIMs. The PMO was of the view that the minister should not head it. However, the ministry again gave the instance of the IIT Council, which is headed by the HRD minister but has not come in the way of autonomy of IITs.

However, on the issue of composition of IIM boards, the ministry had to give in. The PMO had suggested that the board should have five of the 14 members from among alumni. The ministry wanted only three. Sources said there was a fear that five is a sizeable number that could easily influence and have its way in making big decisions.

But since the PMO argued that non-government voice should be there in the board, the ministry agreed for five alumni. The ministry also agreed with the PMO's suggestion that IIMs need not come to government for any change in regulation. The PMO was of the view that board of governors should have the final say in approving regulations.

Millenium Post ND 17/05/2016 P-7

# New education policy to be announced before May 26: Irani

**MPOST BUREAU**

**NEW DELHI:** The much-awaited new education policy would be announced before May 26 when the Narendra Modi government completes its two years in office, HRD Minister Smriti Irani said.

"The National Education Policy will be before the nation by May 26," she said.

The minister added: "Under the new education policy, the NCERT will address all those challenges facing the education system," Irani said the NCERT needed to address many issues as even students say they know more about Renaissance than about Maharana Pratap.

On the No-Detention Policy introduced by the UPA government in schools, she said a review was being carried out and "a decision will be taken soon". "No-Detention Policy has led to students being unable



to cope in Class 9. The state governments want it scrapped," she said.

She added the government was taking a number of initiatives towards providing education to all and an endeavour 'Swayam' was being undertaken with the help of IITs, IIMs, central universities, NITs and some private universities to provide free online education to children of classes 9 to 12. "It will provide quality education online through a portal and mobile app in 10 Indian

languages for Classes 9, 10, 11 and 12, including Board exams. It will start in the next two months and students enrolled through it can get free education online and only money will be paid for giving exams," she said. The Minister added: "This is a very big step in school education for the poor."

She also talked about MoUs being signed with MIT in the USA and Stanford University for improving syllabi in NITs, besides creating a separate cadre for teacher trainers.

Irani said the government had roped in HC Verma, a professor from IIT Kanpur, to undertake training exercises at government schools in UP to promote interest in science.

Irani said though allegations of saffronisation of education keep coming, the National Curriculum Framework, which was devised in 2005, has not been changed.